मिशन शिक्षण संवाद

16 महाजनपद

गीत मंजरी

~ संकलन ~

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद : एक परिचय

तर्ज़- मेरा इंतकाम देखेगी

पांचवी छठी सदी में,
सोलह महाजनपद थे।
अफगानिस्तान से,
बिहार में फैले थे।।

हिन्दूकुश से गोदावरी में यह फैले थे।
अंगुत्तरनिकाय के 16 महाजनपद थे।।

अंग, अश्मक, अवंति,
गांधार, काशी, चेदि।
कंबोज, कुरु, कोसल,
मगध, मत्स्य, मल्ल।।

वज्जि, पांचाल, शूरसेन और वत्स थे।
अंगुत्तरनिकाय के 16 महाजनपद थे।।

सुधांशु श्रीवास्तव
प्रा० वि० मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद — अंग

01

सोलह महाजनपदों में से एक,
उसकी राजधानी थी चम्पा।
सर्वप्रथम अंग का उल्लेख,
अथर्ववेद में मिलता।।

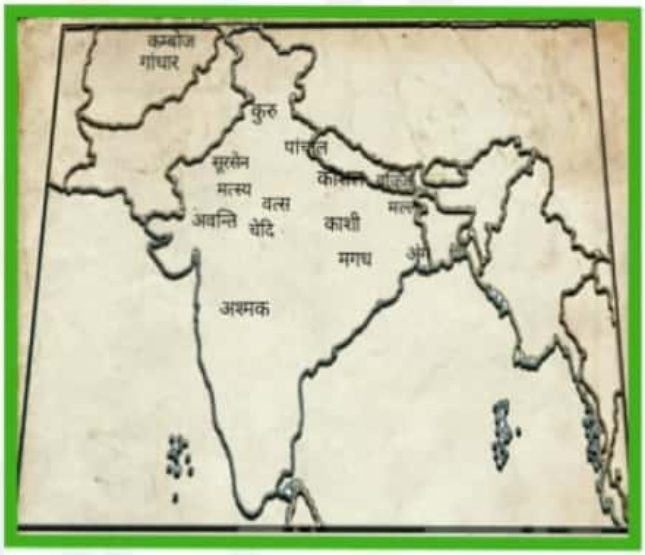

महाभारत काल में,
कर्ण ने यहाँ राज किया।
जरासंध को हरा कर,
उसने इसे समृद्ध किया।।

आधुनिक भागलपुर और मुंगेर में,
था बंगाल, बिहार के सटे क्षेत्र में।
चम्पा और अश्वपुर,
इसके प्रमुख बन्दरगाह थे।।

उषा देवी (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि० तलकापुर
हथगाम, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद — मगध

02

शक्तिशाली, अविभाज्य मगध साम्राज्य हूँ मैं,
गंगा, सोन, विंध्य तथा चम्पा से घिरा हूँ मैं।
राजगृह फिर पाटलिपुत्र का साम्राज्य हूँ मैं,
आज गया, पटना से बिहार का भाग्य हूँ मैं।।

मेरा संस्थापक बृहद्रथ, पहला राजा बिम्बिसार,
जीवक, मुनित्रय, चाणक्य का आधार हूँ मैं।
हाथी, लकड़ी व लोहे का भण्डार था मैं,
साँची स्तूप, बौद्ध संगीति का वास हूँ मैं।।

महापद्मनन्द, चन्द्रगुप्त मौर्य से खास हूँ मैं,
अशोक का खुशहाल साम्राज्य हूँ मैं।
अंग से कलिंग विजय ने मुझे गौरवमयी बनाया,
मेरा इतिहास ही प्राचीन भारत का इतिहास
कहलाया।।

गुलफ्शाँ(स०अ०)
प्रा०वि०केवटरा(बेंता)
देवमई,फतेहपुर

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद काशी

03

पौराणिक सोलह महाजनपद,
जिसमें सम्मिलित जनपद काशी।
पुरूरवा के वंशज काश,
जिनके नाम से जनपद काशी।।

वाराणसी शहर में स्थित,
एक पुरातन नगरी काशी।
वरुणा और असी नदियों के,
मध्य बसी है नगरी काशी।।

गंगा के तट पर यह स्थित,
दीपों की नगरी है काशी।
हिन्दू, जैन व बौद्ध धर्म का,
एक धार्मिक स्थल काशी।।

शिक्षा से बढ़ता है ज्ञान,
शिक्षा ज्ञान का केन्द्र है काशी।
साड़ी से नारी की गरिमा,
साड़ी की नगरी है काशी।।

देवालय की कमी नहीं यहाँ,
देवभूमि यह नगरी काशी।
द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शामिल,
विश्वनाथ की नगरी काशी।।

घाटों की महिमा यहाँ न्यारी,
घाटों की नगरी यह काशी।
जीवन-मरण से मुक्त करे जो,
मोक्षदायिनी नगरी काशी।।

अर्चना गुप्ता (स०अ०)
उ०प्रा०वि०हाफिजपुर हरकन
खजुहा, फतेहपुर

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद कोसल

04

सुनो-सुनो! सुनो-सुनो! एक कहानी सुनो,
'सरयू' के तट पर बसे राज्य की है कहानी।
रघुवर श्री रामचंद्र का यह जन्मस्थान था,
उस 'कोसल' महाजनपद की है ये कहानी।।
सुनो-सुनो.....

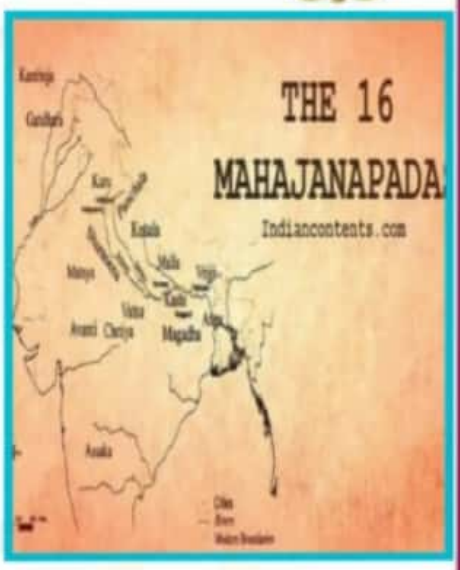

उत्तरी और दक्षिणी कोसल दो भागों में बंटा,
साकेत और श्रावस्ती थी जिसकी राजधानी।
बौद्ध धर्म का भी इस धरा से है निर्मल नाता,
कथानक भी कहते हैं महात्मा बुद्ध की कहानी।।
सुनो-सुनो.....

'प्रसेनजित' की मृत्यु के बाद हुआ राज्य दुर्बल,
मगध साम्राज्य में विलय की शुरू हुई कहानी।
उत्तर प्रदेश के अयोध्या, गोंडा और बहराइच में,
आज भी दिखती है कोसल राज्य की निशानी।।
सुनो-सुनो.....

नवनीत शुक्ल (स०अ०)
प्रा० वि० भैरवां-२
हसवां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

new text

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद वत्स

05

जन से जनपद बने जब 16,
वत्स था देखो उनमें एक।
अंगुत्तर निकाय व भगवती सूत्र,
दोनों में विवरण मिले अनेक।

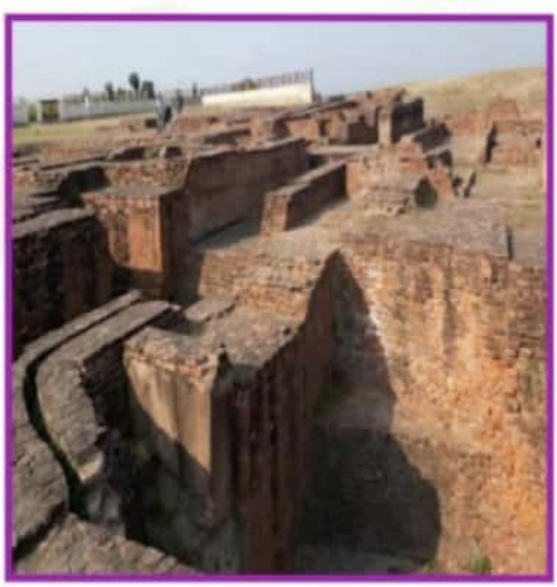

अल्लाह ने किया जिसे आबाद,
अलाहाबाद का क्षेत्र था।
यमुना किनारे थी राजधानी,
कौशांबी का महत्व विशेष था।

प्रसिद्ध राजा था उदयन,
बौद्ध मत में दीक्षित था।
'स्वप्नवासवदत्ता' का आधार था वो,
वीणा में कुशल, प्रतिष्ठित था।।

हर्षिता सिंह(स०अ०)
प्रा०वि०चंदीपुर
भिटौरा, फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद चेदि

6

वर्णित प्राचीन बौद्ध ग्रंथों में,
पौराणिक सोलह जनपदों में।
चेदि महाजनपद इसका नाम,
यमुना, विंध्य के बीच का स्थान।।

विदर्भ पुत्र कैशिक का काम,
स्थापित किया था यह धाम।
वर्तमान चंदेरी, चेदि का नाम,
आधुनिक बुंदेलखंड की शान।।
शुक्तिमती राजधानी जिसकी,
कलिचुरी वंश शान है इसकी।
जनपदवासी थे इसके महान,
सदाचारी करते सबका सम्मान।।

राजा शिशुपाल प्रतापी, महान,
पर श्रीकृष्ण का किया अपमान।
प्रभु ने सुदर्शन चक्र चलाया,
उसे मृत्यु-शय्या पर सुलाया।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
उ०प्रा०वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद कुरु

7

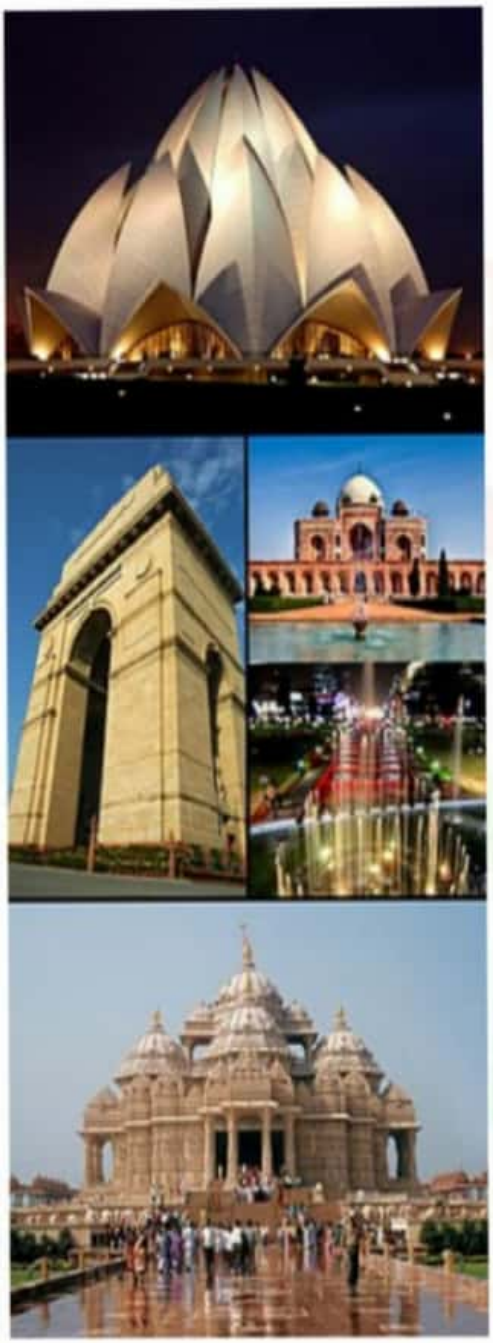

कुरु राज्य की है ये कहानी,
यहाँ की है हर बात निराली।
नाम पड़ा राजा के नाम पर,
इन्द्रप्रस्थ इसकी राजधानी।।

भाषायें पाली और संस्कृत,
लौहयुग का ऐतिहासिक युग ये।
यमुना नदी के तट पर स्थित,
हिमालय तक विस्तार फैला ये।।

वीर गाथायें इतनी सुंदर,
घर कर जाती, मन के अंदर।
राजसूय यज्ञ की वेदी जहाँ पर,
कृष्ण-रुक्मणी ब्याह यहीं पर।।

प्रभात उमराव (स०अ०)
प्रा० वि० कून्धन
हथगाम, फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद पांचाल

8

आओ आज हम जाने पांचाल राज्य की शोभा,
उत्तर में हिमालय के भाभर क्षेत्र तक था वह फैला।
दक्षिण में चर्मनवती नदी तक था वह फैला,
भारत में यह राज देवों की नगरी था कहलाया।।

दोनों के बीच भयंकर युद्ध हुआ,
पांचाल राज्य दो खंड हुआ।
उत्तर के राजा अश्वत्थामा हुए,
राजधानी अहिक्षत्र में बनाए।।

दक्षिण पांचाल के राजा द्रुपद हुए,
राजधानी कामिपिल्य बनाया।
पांचाल राज्य में ऐसी देवी जन्मी थी,
पांडव की पत्नी द्रौपदी पांचाली कहलाती थी।

साधना(प्र०अ०)
कंपोजिट स्कूल ढोढियाही
तेलियानी,फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद शूरसेन

9

16 जनपदों में से एक,
उत्तरी भारत का शूरसेन।
मथुरा थी इसकी राजधानी,
नाम था आखिर किसकी देन।।

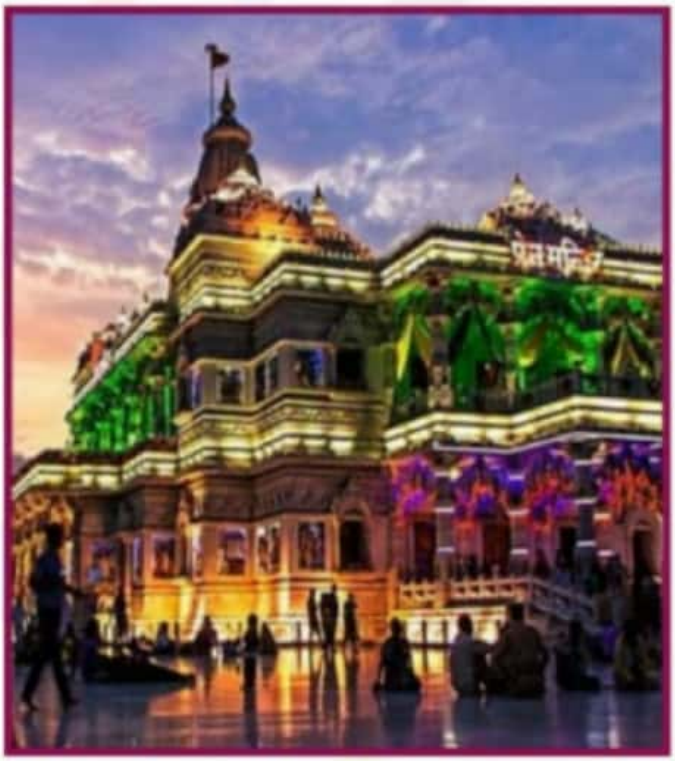

शायद दिया अर्जुन पुत्र ने,
अंधक के परनाती शूर ने।
श्रीकृष्ण के पितामह शूर ने,
या राम भ्रात शत्रुघ्न सुत ने।।

कोई कहता था ये क़बीला,
ब्रज पर था जिसका अधिकार।
करते थे वो कृष्ण आराधना,
बढ़ाने को स्थानीय संस्कार।।

गीता यादव (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मुरारपुर
देवमई, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद मत्स्य

10

क्षेत्र अलवर के आस-पास,
मत्स्य महाजनपद था खास,
राजधानी विराटनगर कहलाती,
साल्वों को प्रजाति बतलाती।।

बाण गंगा बहती नदी,
वंश चिन्ह मछली बनी,
निवासी मीणा कहलाए,
मीन पुराण में बतलाए।।

जैन मुनि मगन सागर ने,
मीन पुराण रचाया था,
मत्स्य अवतार से मीणा,
जाति संबंध दिखाया था।।

कौरवों ने द्यूत क्रीड़ा में,
पांडवों को हराया था,
अज्ञातवास में पांडवों ने,
यहीं समय बिताया था।।

अनिल कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० समसपुर
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद अवंति

11

तर्ज़ - एक राधा, एक मीरा

एक उज्जैन, एक महिष्मति,
राजधानी अवंती महाजनपद की।
अंतर क्या दोनों के मध्य में देखो,
उज्जैन उत्तर की, महिष्मति दक्षिण की।।

छठी शताब्दी ईसा पूर्व में,
था शक्तिशाली महाजनपद।
चांडप्रद्योत प्रमुख था शासक,
जीवक प्रमुख चिकित्सक।।
आधुनिक मालवा है कहते जिसको,
मध्यप्रदेश में है वो।
हर्यक शिशुनाग ने हराया नंदिवर्धन को।
मिल गई अवंति जा मगध में नगरी।।

क्षिप्रा नदी बहती मध्य भाग से,
बाँटती दो भागों में।
आर्थिक सामाजिक रूप से,
सम्पन्न देखो सब यहाँ पे।
प्रसंग महाभारत में,
वर्णन बौद्ध जैन धर्म ग्रंथ में।
अंतर क्या दोनों ही काल में देखो।
एक हिंदू धर्म संस्कृति, एक बौद्ध धर्म संस्कृति।।

सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी- मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद

अश्मक

12

पौराणिक सोलह जनपदों में एक,
था जनपद अस्सक अथवा अश्मक।
नर्मदा और गोदावरी नदियों की,
गोद बन गयी इसकी रक्षक।।

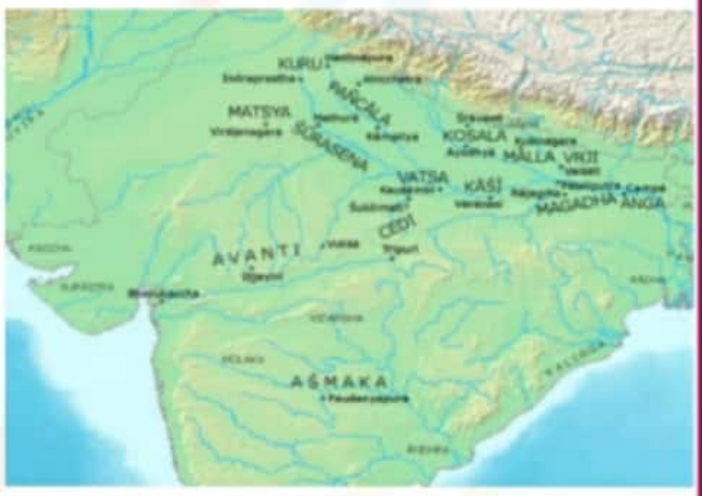

पाटन नाम था इसकी राजधानी का,
महाराष्ट्र राज्य है आधुनिक काल में।
समय है कांस्य और लौह युग का,
मिलता है उल्लेख बौद्ध साहित्य में।।

महागोविन्दसूत्तन्त के अनुसार,
विद्यमान था धृतराष्ट्र के समय में।
ब्रम्हदत्त राजा था अश्मक का,
अश्मक, राजा भी इस जनपद में।।

जनपद अश्मक बना इस राजा के नाम से,
कूर्मपुराण में है अंग यह उत्तर भारत का।
इसकी स्थिति है दक्षिण भारत के प्रदेशों में,
महाराष्ट्र राज्य भाग है दक्षिणा पथ का।।

प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट वि० अमौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद — गांधार

13

तर्ज़- जहाँ डाल-डाल पर सोने..

जहाँ काल-काल में कर रहा,
महापुरुषों का बसेरा।
वो गांधार जनपद है मेरा-२

जहाँ बौद्ध, गांधारी, कुषाणों का,
पग-पग लगता डेरा।
वो गांधार जनपद है मेरा-२

यह धरती है जहाँ वीर, तेज,
प्रताप थे योद्धा भारी।
जहाँ हर पुरूष एक योद्धा था,
और लक्ष्मी थी हर एक नारी।
जहाँ गौतम बुद्ध ने अपने ज्ञान का,
डाला हर पल फेरा।
वो गांधार जनपद है मेरा-२

अलबेलों की इस धरती की,
राजधानी भी अलबेली।
तक्षशिला जैसी राजधानी,
खुद ही इतिहास समेटे।
जहाँ कला, संस्कृति और शौर्य का,
हर पल हुआ सवेरा।
वो गांधार जनपद है मेरा-२

अंजलि मिश्रा स. अ.
प्रा० वि० असनी-१
भिटौरा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद — कंबोज

14

सोलह जनपद प्राचीन के महान।
जिसमें 'कंबोज' भी था एक नाम।

महाभारत में था कर्ण का बखान।
राजगढ़ पहुँच कंबोज को किया हैरान।।

इतने महान जनपद का नहीं रहा नामो-निशान,
लेकिन इतिहास के पन्नों में है उसकी पहचान।।

कंबोज का अर्थ सुन होंगे हैरान।
सुंदर कंबल वाले लोग भी था इसका नाम।।

लोग मिटा करते हैं, नहीं मिटते निशान।
महान सोलह जनपदों में कंबोज भी है आलीशान।।

मंजूला मौर्य (प्र०अ०)
प्रा०वि० छीछा
खजुहा, फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद

वज्जि

15

सत्य सनातन संस्कृति,
है भारत की पहचान।
एकमात्र यह सभ्यता,
जिसका लिखित प्रमाण।।

बौद्धकालीन गणराज्य यह,
उत्तरी मगध था विस्तार।
वैशाली इसकी राजधानी,
जन्मे महावीर राजकुमार।।

अन्गुत्तर निकाय मे मिलते,
महाजनपदों के लेख।
कौटिल्य और पाणिनी करते,
व्रजियों का उल्लेख।।

अक्षुण्ण है ये विरासतें,
प्राचीनतम अपना इतिहास।
विश्व गुरु था और रहेगा भारत,
है मन में यह विश्वास।।

मुक्ता सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि०खुरमानगर
खजुहा, फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद मल्ल

16

मल्ल प्राचीन भारत का महाजनपद,
16 महाजनपदों में था प्रमुख जनपद
राजा रामचंद्र जी ने इसे बसाया,
लक्ष्मण पुत्र चंद्रकेतु ने यहाँ अपना
राजधर्म निभाया।।
मल्लों की थी दो शाखाएं,
जहाँ उन्होंने अपनी फैलायी पताकाएँ।
एक राजधानी कुशीनगर, दूजी थी पावा,
इन्हीं जगह पर महावीर एवं बुद्ध ने निर्वाण पाया।।
मल्ल महाजनपद था बौद्ध धर्म अनुयायी,
जहाँ प्रजा ने अपनी देशभक्ति निभायी।
मल्ल शासन हिरण्यवती(गंडक) नदी पर था स्थित,
जहाँ आज पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार है स्थित।।

मल्ल महाजनपद था बौद्ध धर्म अनुयायी,
जहाँ प्रजा ने अपनी देशभक्ति निभायी।
मल्ल शासन हिरण्यवती(गंडक) नदी पर था स्थित,
जहाँ आज पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार है स्थित।।

इला सिंह(स०अ०)
उ०प्रा० वि०पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सोलह महाजनपद उपसंहार

छोटे-छोटे जनपदों से मिल,
महाजनपद बना है।
महाजनपदों के अध्ययन से,
यह हमने पाया है।।

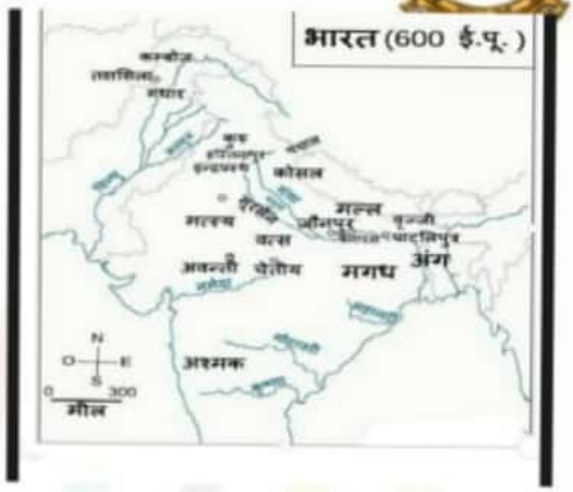

वाणिज्य और व्यापार का भी,
शुरू चलन हुआ है।
अंगुत्तर निकाय के वर्णन में,
जिक्र हमने पाया है।।

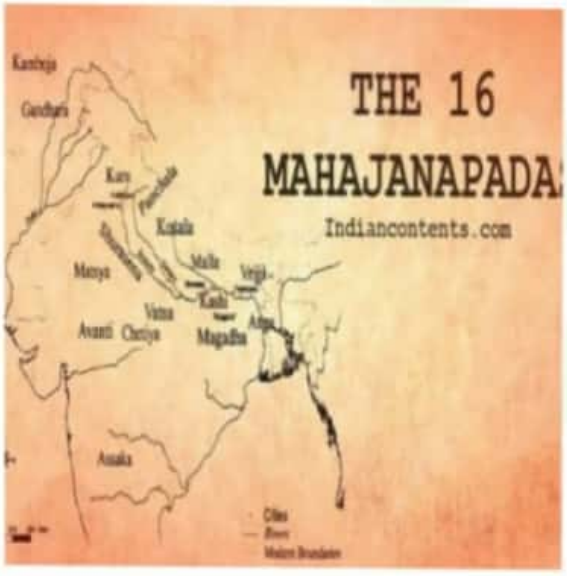

अवंती की क्षिप्रा,
मालवा की गंगा कहलाती है।
'पामीर' का पठार,
कम्बोज की शोभा बढ़ायी है।।

पाँच पहाड़ियों के सौंदर्य से,
घिरा मगध राज्य था ।
स्वप्नवासदत्ता नाटक,
वत्स में स्थान पाया था।।

हेमलता यादव(स०अ०)
प्रा०वि०बेती सादात
भिटौरा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

रचनाकारों की सूची

16 महाजनपद

सुधांशु श्रीवास्तव,फतेहपुर
उषा देवी,फतेहपुर
गुल्फशा, फतेहपुर
नवनीत शुक्ल, फतेहपुर
अर्चना गुप्ता, फतेहपुर
हर्षिता सिंह,फतेहपुर
अनुप्रिया यादव,फतेहपुर
प्रभात उमराव, फतेहपुर
साधना जी, फतेहपुर
गीता यादव, फतेहपुर
अनिल कुमार, फतेहपुर
सुमन पांडेय, फतेहपुर
प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
अंजलि मिश्रा, फतेहपुर
मंजुला मौर्य, फतेहपुर
मुक्ता सिंह, फतेहपुर
इला सिंह,फतेहपुर
हेमलता यादव,फतेहपुर

टेक्निकल टीम

राजकुमार शर्मा ,चित्रकूट
पूजा सचान, फर्रुखाबाद
प्रतिभा चौहान ,मुरादाबाद
मंजू शर्मा , हाथरस
आयुषी अग्रवाल ,मुरादाबाद
आकांक्षा मिश्रा ,हरदोई
वंदना यादव 'गजल' जौनपुर
हेमलता गुप्ता ,अलीगढ़
डॉ. सुमन गुप्ता, झाँसी
अर्चना अरोरा, फ़तेहपुर

~ संकलन ~

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam